इंसानियत का छलक

अब वक्त आ पहुँचा
मन को हलका करने की
जिंदगी को रंग देने की
दुनिया को सुरम्य बनाने की

कठिन बर्फ था जिंदगी
मुश्किल था आगे बढ़ना
मन में घृणा थामकर
पथ भ्रांत हो गया मनुज
ठंड से भरे ये संसार
समझ गया गुमराह गया
सुलझने के कोशिश में
पता चला कल बीत गया
जो गलतियों का अफसोस
बाण के रूप लेकर आया
सीने को छेदकर गया
बर्फ को पिगलाने की निश्चय से

सौंप के गया वक्त के हाथ में
छोड़ के गया बेचैनियों के हाथ में
दिल से मिटाया नफरत
आँखों से हटाया अँधेरा

दुनिया का हालत देखकर
मानव की हार देखकर
पिघलने लगी है बर्फ
बरसने लगी हैं आँसू की बूँदें

पिघलने लगी है मन
लौटाने लगी है सच्चाई
दिल में दड़पण के बिना
नया जीवन शुरु करने

आजादी का नीव खोदकर
प्रगति का पत्थर लगाना
साहस के थम्म पर
नवत इतिहास बनाना

समर जारी दुनिया में
खून बहती जमीन में

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

जवानों की कुर्बानी का प्रवाह
याद दिलाता नागरीक का कर्तव्य
अब समय आ चुकी है
नफ़रत को मोहब्बत से हराना
प्रखर आंधियों को शांत करना
प्यार का दीप जलाना
गरीबी व भूख फैलता देश
नारी का पंख काट गया
भाई को मौत का हाथ देना
क्रूर दुनिया आँखों के सामने
आँखों में प्यार का चमक नहीं
केवल दौलत से पैदा अपराध
जीवन का लक्ष्य बदल गया
राह गलतियों में भटक गया
ईश्वर का आँसू बहाते
प्रकृति का शाप स्वीकारते
मानव जान गया
अपनी गलतियों का गहराई

अब वक्त है सुधरने का
जानवर का रूप दूर फेंकने का
इंसानियत का वस्त्र पहनने का
खुशियों का मौसम लौटाने का
तुम्हीं से शुरू तुम्ही पर
खत्म होती है जिनकी
क्यों आज तेरी दुनिया में नहीं
कोई जगह उनके लिए
व्यस्त जिंदगी से कुछ पल चुराओ
माँ के आंचल में फिर लेटे
साथ खाओ साथ हँसो
उनकी छोटी संसार आनंदमय करो
जिंदगी तेरी किताबों के पन्ने
जिस पन्ने को मोड़ कर रखा
आज खोल कर देखा तो
वह पन्ने चूर चूर हो गए
लीक पर तो सभी चलते हैं
कभी इतिहास को पलटकर चलो

जब तक न हासिल की मंज़िल
राह में आराम कैसे ?

मोहब्बत निभाना सीखो
वक्त के साथ बढ़ जाना सीखो
फूल को देखकर खिल जाना सीखो
उसी फूल को देखकर मिट्टी में मिल
जाना सीखो

निस्वार्थ भाव से सेवा करना
इंसानियत का उच्च कोटी
दिल में दया भाव रखें
बन हम दीनों का सहारा

दुनिया में प्यार की बूँदे बरसाकर
खुद का अँधकार पिघलाओ
जिंदगी का बर्फ हटाकर
धरती को स्वर्ग बनाओ
बन जाओ इंसान सभी
इंसानियत का धर्म अपनाओ
यह दिन भी बीत जाएगा।